विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण **12 सितम्बर 2020**

वर्ग षष्ठ **राजेश कुमार पाण्डेय**

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

पञ्चमः पाठः

सुभाषितम्

शब्दार्थ

नारिकेल समाकाराः	नारियल के समान	समुत्पन्ने	उत्पन्न होने पर
बदरिकाकाराः	बेर के फल के समान	तोयम्	जल
अङ्कुरः	अंकुर	माणिक्यं	रसविशेष
मौक्तिकं	मुक्ता	साधवो	सन्त जन
पुस्तकस्था	पुस्तक में स्थित	बान्धवो	मित्र
परहस्तगतम्	दूसरे के साथ में गया हुआ		
कार्यकाले	काम के समय में		

स्वगृह पूज्यते मुर्खः स्वग्रामे पूज्यते प्रभुः।

स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ।।1।।

संस्कृत का हिंदी अर्थ।

अपने घर में मूर्खों की पूजा होती है। अपने गांव में मुखिया की पूजा होती है। अपने देश में राजा का पूजा होती है। विद्वान की पूजा सब जगह होती है।।